AAJ

एलयू ने किया विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को राजकीय बाल गृह, पारा, लखनऊ में विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो आरके वर्मा तथा विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष प्रो अभिषेक कुमार तिवारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, रवींद्र सिंह जादौन एवं राजकीय बाल गृह के अधीक्षिका सफलता के नेतृत्व एवं दिशानिर्देश में विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। कार्यक्रम दो भाग में संपन्न हुआ। प्रथम भाग में विधिक सहायता केंद्र की सदस्या ऋषिता पांडे ने बच्चियों को उनके मौलिक अधिकारों के बारे में बताया। इस शिविर में 45 बालिकाएं उपस्थित थी। जिसके उपरांत केंद्र के सदस्यों ने वहां उपस्थित बालिकाओं से वार्तालाप की और राजगृह में मिल रही सारी मूल सुविधाओं तथा सरकार द्वारा दी जाने वाली निशुल्क विधिक सहायता के बारे में पुछताछ करके सर्वे फॉर्म्स में प्राप्त जानकारी को लिखा जिसे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को सूचित किया जाएगा।

HINDUSTAN

2

बीटेक, बीबीए समेत 11 कोर्सों का रिजल्ट जारी

लखनऊ विवि में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के 11 पाठ्यक्रमों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है, जिसे विद्यार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने अनुक्रमांक व जन्म तिथि के जरिए देख सकते हैं।

DAINIK JAGRAN

प्रोफेसर अजय आर्या

लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर और इंस्टीट्यूट आफ हाइड्रोकार्बन, एनर्जी एंड जियो-रिसोर्सेज के निदेशक प्रो. अजय आर्या का कहना है कि लखनऊ और गंगा के मैदान का अधिकांश क्षेत्र भूकंप जोन-तीन में आता है। इस क्षेत्र में अधिकतम मध्य स्तरीय भूकंप आने की ही आशंका रहती है। ऐसे भूकंपों में किसी तरह के जान-माल का खतरा नहीं रहता। अध्ययनों में पाया गया है कि भूकंप को लाने में सभी सहायक कारण गंगा के मैदान में निष्क्रिय दिखाई देते हैं। गंगा के मैदान की सतहों पर उनके सक्रिय होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह

गंगा का मैदान सुरक्षित है

लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.ध्रुव सेन सिंह का कहना है कि गोंडा में 3 .7 तीव्रता रही, जो पैमाने पर बहुत कम प्रभाव दिखाता है। इससे कोई नुकसान नहीं हो सकता। गंगा का मैदान सुरक्षित है। कई बार होने वाली गतिविधियों से विचलित होने की जरूरत नहीं।

गद्दे का काम करता है बालू, सुरक्षित हैं हम

- यदि आप राजधानी और आसपास क्षेत्र में रहते हैं तो भूकंप से घबराने की जरूरत नहीं है।
- गंगा के मैदान क्षेत्र में आने के कारण यह इलाका पूरी तरह से सुरक्षित है।
- भूगर्भ विज्ञानियों का कहना है कि गंगा के मैदान में बालू अधिक है, जो गद्दे का कार्य करता है और तीव्रता को सोख लेता है।
- गहराई में आने वाले भूकंपों से पहाड़ी क्षेत्र में खतरा रहता है और छिछले से मैदान इलाकों में अधिक खतरा है।
- पिछले 100 साल की बात करें तो राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में इतना बड़ा भूकंप नहीं आया।
- नए भवनों में सरिये का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिस पर भूकंप का कम असर पड़ता है।
- नेपाल में 2015 में आया भूकंप बहुत कम गहराई में था और छिछला था, जिससे बड़ी जनहानि हुई थी।

हिमालयन फ्रांटल फाल्ट लाइन में आते हैं भूकंप

- गंगा के मैदान के उत्तर में हिमालय प्लेट टेक्टानिक के बहुत सक्रिय है। यह फाल्ट बीते कुछ दशकों से सक्रिय है। कई वर्षों में आए भूकंपों का केंद्र इन्हीं क्षेत्रों में रहा है।
- हिमालय का दक्षिणी और गंगा का मैदान का उत्तरी भाग एक दूसरे के संपर्क में है, जो रेखा इन दोनों को अलग करती है, उसे हिमालयन फ्रांटल फाल्ट कहते हैं।
- भूकंप का पहला झटका मुख्य होता है। इसके बाद कम तीव्रता के झटके आते हैं। इनसे कई बार होने वाली गतिविधियों से विचलित होने की जरूरत नहीं।

AMAR UJALA

शिविर में बालिकाओं को मौलिक अधिकारों की जानकारी दी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को पारा स्थित राजकीय बाल गृह में विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन हुआ। केंद्र की सदस्य ऋषिता पांडेय ने बच्चियों को उनके मौलिक अधिकारों के बारे में बताया। राजगृह की कार्यकर्ता भारती ने सदस्यों को बालगृह के भोजनालय, स्वास्थ्यालय, कंप्यूटर कक्ष आदि का भ्रमण कराया। केंद्राध्यक्ष प्रोफेसर अभिषेक कुमार तिवारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष रवींद्र सिंह जादौन मौजूद रहे। (संवाद)